7/12/19 E

This question paper contains 3 printed pages.

Your Roll No. 18043501179

Sl. No. of Ques. Paper : **1980**
Unique Paper Code : **62051104**
Name of Paper : **Hindi (C)**
Name of Course : **B.A. (Prog.) OC**
Semester : **I**
Duration : **3 hours**
Maximum Marks : **75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिये।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए: 10×3=30

(क) मैं हताश हो, बाट जोहता रहा दिनों तक,
बाल कल्पना के अपलक पांवड़े बिछाकर।
मैं अबोध था, मैने गलत बीज बोये थे,
ममता को रोपा था, तृष्णा को सींचा था!
अर्धशती हहराती निकल गयी है तबसे!
कितने ही मधु पतझर बीत गये अनजाने,
ग्रीष्म तपे, वर्षा झूलीं, शरदें मुसकाईं
सी-सी कर हेमन्त कँपे, तरु झरे, खिले वन।

अथवा

निज गौरव का नित ज्ञान रहे
हम भी कुछ हैं यह ध्यान रहे
मरणोत्तर गुंजित गान रहे
सब जाय अभी पर मान रहे

P. T. O.

कुछ हो न तजो निज साधन को
नर हो, न निराश करो मन को।।

(ख) रावरे रूप की रीति अनूप, नयो नयो लागत ज्यौं ज्यौं
निहारियै।
त्यौं इन आँखिन बानि अनोखी, अघानि कहूँ नहिं आनि
तिहारियै।
एक ही जीव हुतौ सुतौ वार्‌यौ, सुजान, सकोच औ सोच
सहारियै।
रोकी रहै न, दहै घनआनंद बावरी रीझ के हाथनि हारियै।

अथवा

कहत, नटत, रीझत, खिझत, मिलत, खिलत, लजियात।
भरे भौन में करत है, नैनन ही सों बात।

(ग) माला फेरत जुग भया, फिरा न मन का फेर,
कर का मनका डार दे, मन का मनका फेर।

अथवा

मैया! मैं नहिं माखन खायो।
ख्याल परै ये सखा सबै मिलि मेरै मुख लपटायो।।
देखि तुही छींके पर भाजन ऊंचे धरि लटकायो।।
हौं जु कहत नन्हें कर अपने मैं कैसे करि पायो।।
मुख दधि पोंछि बुद्धि इक कीन्हीं दोना पीठि दुरायो।।
डारि सांटि मुसुकाइ जशोदा स्यामहिं कंठ लगायो।।
बाल बिनोद मोद मन मोह्यो भक्ति प्राप दिखायो।
सूरदास जसुमति को यह सुख सिव बिरंचि नाहिं पायो।।

2. सूरदास वात्सल्य के सबसे बड़े कवि हैं। इस मत की परीक्षा कीजिए।

अथवा

कबीर के काव्य में नीति, उपदेश और गुरु महिमा की साखियों पर टिप्पणी लिखिए। 10

3. बिहारी **अथवा** घनानंद का साहित्यिक परिचय दीजिए। 10

4. 'मैथिलीशरण गुप्त मनुष्य को निराश न होने का मंत्र देते हैं।' बताइए।

अथवा

पंत की कविता 'धरती और मनुष्य के संबंधों का जयगान है'। कैसे? 10

5. किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए:

(i) हिंदी भाषी राज्य;

(ii) हिंदी का सामान्य परिचय;

(iii) हिंदी साहित्य का आदिकाल;

(iv) हिंदी साहित्य का भक्तिकाल;

(v) रामभक्ति काव्य;

(vi) छायावाद का परिचय। 5×3=15